

---

‘नव्या’

गीत प्रतियोगिता

(मौलिक एवं संकलित गीत)

---

## विनायक

तर्ज- भिलमिल सितारों का



श्रीमती सरोज राठी  
इनरवा

रिद्धि सिद्धि विनायक गजानन होगा

रिमझिम बरसता आंगन होगा

ऐसा सुंड सुंडला जन मन भावना होगा

रिमझिम बरसता आंगन होगा ।

पूजन की खुशी मैं सौ सौ दीप जलाऊँगी-२

फलफूल मेवा मिसरी डलिया, भरभर लाऊँगी-२

मोदक से मीठा मेरा मनडा होगा-२

रिमझिम.....

साँझ सुहानी मैं साज सजाऊँगी-२

सिंदुरी सूरज में तुमको जगाऊँगी-२

लाज भरी आँखो से बन्दन होगा

रिमझिम.....

अरमानों की लड़िया हार तुमको पहनाऊँगी-२

आशाओं की कलियाँ मैं द्वार पर सजाऊँगी-२

नैनों को तेरा ही दर्शन होगा

रिमझिम.....

तर्ज- आज हमारे दिल में  
(फिल्म- हम आपके हैं कौन)



अर्चना कावरा  
काठमाण्डु

आज हमारे घर में गूँज रही सरगम है,  
मौका है शादी का गा रहे सबजन हैं।  
खुशियों में डुबे घर के सब परिजन हैं,  
मौका है शादी का गा रहे सबजन हैं।

सेहरे को पहने बन्ना है तैयार,  
सेहरे को पहने बन्ना है तयार,  
ले के जाये बारात समधीजी के द्वार।  
राज की बात बतायें-  
राज की बात बतायें बन्नी भी है बेहाल,  
ले के फूलों का हार कर रही इन्तजार।  
राज की बात बतायें बन्नी भी है बेहाल,  
ले के फूलों का हार कर रही इन्तजार।

बहनों को देखो कर रही श्रंगार,  
बहनों को देखो कर रही श्रंगार,  
बाबा और चाचा लटा रहे हैं प्यार।  
राज की बात बतायें-  
राज की बात बतायें मम्मी भी बन्नी का,  
लेकर पूजा थाल कर रही इन्तजार।  
राज की बात बतायें मम्मी भी बन्नी का,  
लेकर पूजा थाल कर रही इन्तजार।

आज हमारे घर में गूँज रही सरगम है,  
मौका है शादी का गा रहे सबजन हैं।  
खुशियों में डुबे घर के सब परिजन हैं,  
मौका है शादी का गा रहे सबजन हैं।

## गणगौर



तर्ज (चलो रे भाईडा आपा हरिगुण गावा)

चलो ए सहैल्या आपा गौर मंगावा  
गौर मंगावा आपा मारवाड की हाँ हाँ  
गुजरात की म्हारी प्यारी ए गवरल ।  
प्यारा ओ गौरा जी थाने गेणों घडाय देउ  
गेणों घडाय देउ थाने लंका देश रो हाँ हाँ  
रुपा देश रो म्हारी प्यारी ए गवरल .....

शोभा मुंद्रा  
लहान

प्यारा ओ गौर जी थाने चुडलो मंगाय देउ  
चुडलो मंगाय देउ थाने हाती दाँत रो हाँ हाँ  
कलकत्ता रो म्हारी प्यारी ए गवरल .....

प्यारा ओ गौरा जी थाने टीको मंगाय देउ  
टीको मंगाय देउ थाने, सोना रो हाँ हाँ  
रुपा रो म्हारी प्यारी ए गवरल .....

प्यारा ओ गौरा जी थाने मेहन्दी मंगाय देउ  
मेहन्दी मंगाय देउ थाने हैदराबाद री हाँ हाँ  
राजस्थान री म्हारी प्यारी ए गवरल .....

प्यारा ओ गौरा जी थाने चुंदडी मंगाय देउ  
चुंदडी मंगाय देउ थाने बम्बई स्यु हाँ हाँ  
बम्बई स्यु म्हारी प्यारी ए गवरल .....

सज-धज गौरा जी म्हारी, घुमन चाली  
घुमन चाली बे तो लहान म हाँ हाँ  
म्हारा प्यारा गाँव म म्हारी प्यारी ए गवरल .....

**जलवा**



तर्ज- इचक दाना  
(फिल्म- श्री ४२०)

फूल खिला है गुलशन गुलशन, } २  
सारडों के अंगना, फूल खिला है

फूल खिला है - २

चंदा जैसा चम चम चमके, दादाजी की शान है-२  
टुक टुक देख रहा दादी को, प्यारी सी मुस्कान है-२

आ॥॥॥॥

बाहों के भूले मे भूले, गोदी मे जहान है

फूल खिला है - २ } २

नन्द के आनन्द भयो है, जय कन्हैया लाल की-२

दुग-दुग दुग-दुग ढोलक बाजे, जमके थाल बजाओ री-२

आ॥॥॥॥

गौरव-रिचा का तारा आया, उनका अभिमान है } २  
फूल खिला है - २

दिल से देवे हम बधाई, सुन रे ओ ललनवा-२

दिल भी तेरे हम भी तेरे, हमें कभी ना भूलना-२

आ॥॥॥॥

हो जायेगी कट्टी-शट्टी, माफी ना आसान है } २  
फूल खिला है - २

नन्हा सा दुलारा.....-३

## बन्नी-बन्नी

तर्ज-माई हाट इज बीटिंग  
(फिल्म-जूली)

बन्नी का मुखुडा, चांद का टुकड़ा ।

बन्ना हमारा, है लागे प्यार

बन्नी की आँखे, देखे हैं सपने ।

बन्ना को बन्नी, लागे हैं अपनी ।

जोड़ी॥ ये भली, हो जैसे बन्ना किशन

राधा रानी बन्नी ॥



श्रीमती संतोष राठी  
विराटनगर

मीठे हैं सपने, मीठी है बातें,

मीठे पल हैं मीठा है मिलन ।

होती हैं बातें होती मुलाकाते,

रोज करते बाते, खाए कसम ॥

ल ल ल लालाः ना हो जुदा कभी ।

मिलके रहें यें ना हो खफा कभी ॥

जोड़ी॥ ये भली, हो जैसे बना चांद

और चाँदनी हो बन्नी ॥

बन्नी का.....

शादी का बंधन, दिलों का बंधन

बंधन है ये सातों जनमों का ।

प्रेम से रहना, याद भी रखना,

दिल ना टुटे एक दूजे का

जोड़ी बनी रहे, प्यार सदा रहे,

देते दुआ तुझे हाथों में हाथ रहे ॥

जोड़ी॥ ये भली हो जैसे बन्ना शिवजी पार्वती

हो बन्नी ।

बन्नी का.....



## घोड़ी

तर्जः मेरा जूता है जापानी



श्रीमती चारु गगरानी राठी

इनरवा

आ तो टप-टप टाप बजाती,धरती अम्बर में लहराती

घोड़ी नाचणी जी, रंग राचणी जी-२

आ तो टप-टप टाप बजाती,धरती अम्बर में लहराती

घोड़ी नाचणी जी, रंग राचणी जी-२

फूल गुलाब रो सरवर लहरे, बनडो बहुत है प्यारो,बनडो बहुत है  
प्यारो

चंद्रमुखी सो बन्नो म्हारो, घर भर रो उजियारो,घर भर रो उजियारो  
रूप्वन्तो जी, मन भावनो जी-२

घोड़ी नाचणी जी, रंग राचणी जी-२

आ तो टप-टप टाप बजाती,धरती अम्बर में लहराती

घोड़ी नाचणी जी, रंग राचणी जी-२

इंद्र रूप सो सजधज बनडो, समधी पोल है जावे, समधी पोल है जावे  
लिल्वट देख मणि ज्यूँ चमके, सगला खूब सरावे, सगला खूब सरावे  
मन मुसकावे म्हारो जी, मन लुभावे म्हारो जी-२

घोड़ी नाचणी जी, रंग राचणी जी-२

आ तो टप-टप टाप बजाती,धरती अम्बर में लहराती

घोड़ी नाचणी जी, रंग राचणी जी-२

तर्ज- चमक्यो-चमक्यो सूरज चमक्यो  
(राजस्थानी लोक गीत)



श्रीमती पायल सारडा  
विराटनगर

उगियो उगियो उगियो, चित्तलांगिया रैआगणै-२

कुल दीपक हुयो, बाँको वंश बद्यो ।

छाई-छाई खुशिया छाई, रामदेव जी रै आंगणै-२

घर मैं गीगो हुयो, बांके पोतो हुयो ।

सासूजी आवै, थाल बजावै, मांगै नेग बधाई ।

मोहरा, गिन्नी और रोकड़ा, नोटां की कमी नांही ।

दादीजी हरखता डोलै, बाँटै खूब बधाई ॥

बाईजी आवै सथिया पुरावै, मांगे नेग बधाई ।

हीरां, पन्ना माणक मोती जड़ी साड़ी ल्यो बाई ।

मन चावै, सो मांगो बाई, आज या शुभ घड़ी आई ॥

थारै भतीजो हुयो, कुल उजियारो भयो,

उगियो ।

देवराणी आवै पलंग बिछावै, मांगै नेग बधाई ।

बहनां सरसी म्हारी दयोराणी, प्रीति लागै प्यारी

थानै तो देस्या मुंह मांगयो, आज घड़ी सुखदायी

अपणो वंश बद्यो, कुल उजियारो भयो

उगियो उगियो .....

## बन्नी

तर्ज मैया यशोदा  
( फिल्म- हम साथ साथ हैं)



श्रीमती प्रिया कावरा  
काठमाण्डु

बन्नी हमारी, सबकी है प्यारी,  
सजधज के दुल्हन बनी देखो प्यारी,  
ढोल बाजे प्रैल बाजे खुशियों का मौका है,  
श्री जी की कृपा से व्याह रचा -२, श्री जी की कृपा से ।

आंगन में गलियों में चौखट चौबारे,  
यो ढोल बागिया में सांझ-सवेरे ।  
कुछ न बताये ये बन्नी है भोली,  
फोन मिला के ये बन्ने से बोली ।  
सुध-बुध गँवाई, नीदे उडाई, -२  
बाट निहारूँ तू फिर भी न आया ।  
प्यारी-प्यारी बातें ये सब को सुनाये हाय  
श्री जी की कृपा से व्याह रचा -२, श्री जी की कृपा से ।



चँदा सा मुखडा है भोली सूरतिया,

घोड़ी पे आया ले जाने दुल्हनिया ।

जगमग हुयी है महल ओ अटारी,

बन्ना और बन्नी पे मैं जाऊँ वारी ।

आँखो का तारा, सबका दुलारा, -२,

जवाँई हमारा हमें लागे प्यारा ।

बड़े भाग्य से आज शुभ दिन ये आया है,

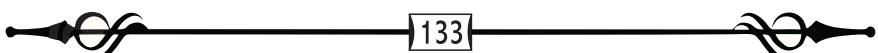
श्री जी की कृपा से व्याह रचा-२ श्री जी की कृपा से ।

बन्नी हमारी, सबकी है प्यारी,

सजधज के दुल्हन बनी देखो प्यारी,

ढोल बाजे प्रौल बाजे खुशियों का मौका है,

श्री जी की कृपा से व्याह रचा -२, श्री जी की कृपा से ।



## तीज

तर्ज “पल्लो लटक”



श्रीमती कुमुद गट्टानी  
विर्तामोड

सावन री तीज आई, भादुड़ री तीज  
पहर लहरियो सखीयाँ चाली झुला झुलन आज

हिवड माही खुशीयाँ उमड, कर सोलह श्रृंगार  
झाला दे साजन न रिझाँव, मन मे प्रीत अपार  
हो देखा, हो देखा, धुमर रो रमझोल....  
आयो तीजा रो त्योहार.... हो आयो तीजा रो त्योहार ॥

कोई चाली पिवरीय, कोई सासरीय माय  
भरतार और परिवार र खातिर माता न मनावन  
हो देखो, हो देखो गीता रो मल्हार  
आयो तीजां रो त्योहार... हो आयो तीजां र त्योहार ॥

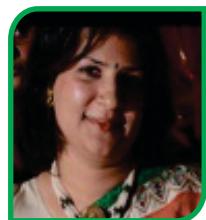
मेहन्दी रचावा, लाड लडावा, निमडली न सजावा  
दिख्यो सो टुट्यो माता दिख्यो सो टुट्यो  
हो देखो, हो देखो लुड़ लुड़ धोक लगावाँ  
आयो तीजा रो त्योहार... हो आयो तीजा र त्योहार ॥

रीत निभावा प्रीत निभावा, चुन्डडली रो मान  
भक्ती और श्रदा से आपा मनावां तीजा रो त्योहार  
हो देखो, हो देखो, दोनो कूल की लाज निभावा  
आयो तीजा रो त्योहार... हो आयो तीजा र त्योहार ॥

सावन री तीज आई, भादुड़ री तीज  
पहर लहरीयो सखीयाँ चाली, झुला झुलन आज  
आयो तीजा रो त्योहार... हो आयो तीजा र त्योहार ॥

## मजन-मत्स्य अवतार

तर्जः थाली भरकर ल्याई खीचडो



श्रीमती पायल सारडा

विराटनगर

भक्ताँ का सिरदार धनी हो, भक्ताँ पर किरपा बड़ी  
सच्चे मन से याद करे तो, भक्ताँ को दुख दूर करी  
सत्यव्रत हो ऐसो राजा, परम भक्त हो थारो जी  
एक दिन तर्पण करने लाग्यो, हुयो अच्म्मो बाने भी  
मछली बनकर थे आया, बिने पतो पड़यो ना बिलकुल भी  
सच्चे मन से याद करे तो....

मछली ने धरयो कमण्डल, चाल पड़या बे कुटिया जी  
मछली बढ़ती-बढ़ती जावे, ना मावे कमण्डल में  
राजा ने चिन्ता हुई, अब के करां इस मछली को  
सच्चे मन से याद करे तो भक्ता का.....

राजा जी मछली ने छोड़न, पुग गया समुन्द्रजी  
मछली डर के बोली राजाजी, ना छोडो मनै मगराँ बीच  
सत्यव्रत भी समझ गयो, थारी लीला दीनदयाल जी  
हाथ जोड़कर अरज करी, प्रभु दीनदयाल कृपालु हरी

भक्ता.....

भगवन दियो बचन सत्यव्रत ने, प्रलय मे दुनिया पड़ी  
मैं आऊंगो मत्स्य रूप में, तारुँगा दुख की घड़ी  
राजा जी प्रलय देख कर, सप्तरिषी संग नैया खड़ी  
नैया ढूवन लागी तो मत्स्यरूप ले तारी थे दुख की घड़ी

भक्ता.....

हृदयग्रीव राक्षस से भी थे, वेदाँ को उद्धार कर्यो  
चारों वेद पाताल से ल्या कर दुनिया ने उपहार दियो  
सच्चे मन से याद करे तो भक्ता.....

तर्जः उठे सब के कदम....



श्रीमती सरोज राठी, इनरवा

उठे सब के कदम, तर रम पम पम, अजी ऐसे गीत गाया करो,  
कभी खुसी कभी गम, तर रम पम पम, हंसो और हंसाया करो  
मेरी प्यारी सासुजी अच्छी अच्छी सासुजी, कभी मंदिर में जाया करो  
कभी भजन कभी कीर्तन, कभी कीर्तन कभी भजन  
कभी दानों सुनायो करो,

उठे सब..

मेरी प्यारी जेठानी अच्छी अच्छी जेठानी कभी किचन में जाया करो  
कभी चाय कभी कोफी, कभी कोफी कभी चाय  
कभी दोनों बनाया करो,

उठे सब....

मेरी प्यारी द्योरानी अच्छी अच्छी द्योरानी कभी बाथरूम में जाया करो  
कभी पैन्ट कभी शर्ट, कभी शर्ट कभी पैन्ट  
कभी दोनों धुलाया करो,

उठे सब.....

मेरी प्यारी ननद जी अच्छी अच्छी ननद जी कभी पीहर भी आया करो  
कभी झाड़ू कभी पोछा, कभी पोछा कभी झाड़ू  
कभी दोनों लगाया करो,

उठे सब....

मेरी प्यारे पिया जी अच्छे अच्छे पिया जी, कभी कमरें में आया करों  
कभी हाथ कभी पावँ, कभी पावँ कभी हाथ  
कभी दोनों दबाया करो,

उठे सब....

## मजन- नरसिंह अवतार

तर्जः उमराव थारी बोली प्यारी लागे



श्रीमती गिरिजा सरडा  
विराटनगर

प्रहलाद थारी भक्ति प्यारी लागे, भक्त बडा  
प्रहलाद जी ओ ॥.. भक्त बडा  
हिरण्याकशिप राजा बडो, तप स्यूँ हुयो अजेय  
देव मनुष्य और पशु, कोई मार न पाय  
कि दानव सुत धरा की रक्षा, निमित्त बनो थे - भक्त बडा.....

प्रहलाद जी....

दैत्यराज को अत्याचार दिन-२ बढ़यो ही जाय  
पुत्र प्रहलाद थो भक्त बडो, भगवन नै ही ध्याये  
जी हरिहर थारे भक्ता में विपदा, है आ पडी

प्रहलाद जी.....

पूजा पाठ न खुद करे, न कोई करने पाय  
जो हरि को ध्यान करे, उसने मार गिराय,  
जी लक्ष्मी बर थारी नजराँ घालो म्हाँ पर, भक्त बडा

प्रहलाद जी.....

इक दिन हिरण्याकशिप हुयो, बेटा स्यूँ नाराज  
क्यूँ पूजै तूँ भाटाँ नै, देखूँ तनै किया बचाय  
जी सृष्टि का कर्ता- सब दुख हर्ता, किरपा थे करो

प्रहलाद जी.....

नरसिंह रूप धर्यो प्रभु, थाने लियो बचाय  
खंभा स्यूँ बै प्रकट हुया, जंघा पे मार गिरायो  
जी दाता थे आया, जो-जो ध्याया, लीला थे धरी

प्रहलाद जी.....

## बीरा

तर्ज- सुन के दिल मेरा डोले  
(फिल्म- गूँज उठी शहनाई)

बाई डागलिये चढ जोवे, कद म्हारा वीरोजी आवे,  
सुआ काई रे संदेशो ल्यायो वीर रो ।  
नगरी में बाजाजी बाजे, जंगी ढोल है गाजे,  
बाई बाजे सूँ आसी थारा ।



श्रीमती मृदुला सुखानी  
काठमाण्डु

सुआ आछो संदेशो तु लायो,  
सुनकर म्हारो यो मन हरखायो ।  
सोने री चोंच जडाऊँ, सोने रा पंख घडाऊँ  
तो पर वारि-वारि जाऊँ वीरा आज रे ।

वीरा कद सूँ म्हे बाट निहारु,  
नित थारा ही काग उडाऊ ।  
शुभ दिन शुभ घडी आई, आया भाई-भौजाई,  
लाया सुरंगो भतीजा न साथ रे ।

म्हारी ममता स्यूँ चूँदड रंगाई,  
म्हारे बाबूजी रा आशीष जडाई ।  
वीरा री प्रेम री किरण, चमके चूँदण रे ऊपर,  
ओढूँ नवल बन्ना रे व्याह में ।

बाई डागलिये चढ जोवे, कद म्हारा वीरोजी आवे,  
सुआ काई रे संदेशो ल्यायो वीर रो ।  
नगरी में बाजेजी बाजे जंगी ढोल है गाजे,  
बाई बाजे सूँ आसी थारा वीरा ।

## गणगौर

(तर्जः- थाली भरकर लाई खिचडो)



श्रीमती शोभा मुंद्रा  
लाहान

थाली भरकर ल्याई पुजा की , साथ् कल्पना री बाटकी  
चलो सहेल्या हिल-मिल पुजा, गौर माता  
हाथा मेहंदी, माथे बिंदिया, पगा पायलिया डालके  
कर सोलह सिंगार गौरजा आने पुरे साल से  
लाल सुहानी चुनरी ओढाया, चुडिया खनके हाथ की,  
चालो सहेल्या.....

पेला तो म्हे दीयो जोयकर, गौर माता पुजस्या,  
हाथ जोड प्रणाम करस्या, दोनो आन्ध्या मिचिया  
हल्दी, कुमकुम सवाग लुटो, मेहंदी भरी है बाट्की,  
चालो सहेल्या.....

पान, सुपारी, फुल दातन, फला रो भोग लगायो है  
आशिष मांगन माता आगे, आचल भी फलायो है  
आचल पसार आशिष मांगा, अपनी प्यारी मात से  
मंगल गावा गीत माता का, संग सहेल्या है साथ की,  
चालो सहेल्या .....

आखा लेकर सुना कहानी, सुनस्या चित्र लागाय के  
टिकी लगावा, मेहंदी देवा, रेवा माँ रे साथ्  
मे सासुजी ने कलपनो देवा, आशिष मांगा साथ् मे)  
चाला सहेल्या.....

## बन्नी

(तर्जः- फूल तुम्हे भेजा है)



श्रीमती राधा अटल  
इनरुवा

आज बन्नी ऐसी सजी है, जैसे सागर मे मोती  
देख बन्नी को बन्ना निरखे और ये तारीफ करे  
शीश बन्नी के बेरिया सोहे, लड़िया मेरा मन मोहें  
टीका का हीरा ऐसे चमके जैसे बादल बीच बिजली

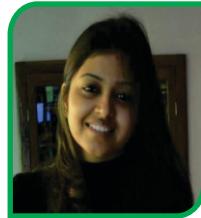
आज बन्नी .....

कान बन्नी के बाली सोहे, जुल्फे मेरा मन मोहें  
गले बन्नी के नैकलेस सोहे, नथनी मेरा मन मोहें  
नथनी का हीरा ऐसे चमके जैसे बादल मे चन्दा

आज बन्नी .....

हाथ बन्नी के पुंची सोहे, चूड़ियां मेरा मन मोहें  
अंग बन्नी के घाघरा सोहे, चुनरी मेरा मन मोहें  
पायल की झन्कार मेरे कानो में मृदुल रस घोले

आज बन्नी .....



तर्ज - मेरा नाम चुन चुन

घोड़ी नाचे छम छम छम -२

छम छम छम बाबा छम छम छम -२

लाख टकों की घोड़ी है, एक टका ना होगा कम-२

वाह-वाह, वाह-वाह, वाह-वाह -२

इन्द्रलोक की ये घोड़ी, घोड़ी है इम्पोर्टेड जी -२

चना दाल ना खाए ये तो, पिए केवल ब्ल्झस्की जी-२

मतवाली सी है ये ज़रा - बुरा ना मानो भैया तुम -२

घोड़ी नाचे छम छम छम -२

छम छम छम बाबा छम छम छम -२

लाख टकों की घोड़ी है, एक टका ना होगा कम-२

वाह-वाह, वाह-वाह, वाह-वाह -२

सारी दुनिया धूम के आई, सोने की किलंगी लगाई - और माथे पे बिंदिया जी-२

दुलड़ी मोती की ये पहन, टकबक टकबक होजा फुर्र -२

घोड़ी नाचे छम छम छम -२

छम छम छम बाबा छम छम छम -२

लाख टकों की घोड़ी है, एक टका ना होगा कम-२

वाह-वाह, वाह-वाह, वाह-वाह -२

समधी जी से जाकर बोली, हेल्लो मिस्टर हाउ डू यू डू ?- समधन बोली जय

श्री कृष्णा -वो भट बोली थैंक यू -२

है विलायती घोड़ी ये, इसको कर लो फाइनल तुम -२

घोड़ी नाचे छम छम छम -२

छम छम छम बाबा छम छम छम -२

लाख टकों की घोड़ी है, एक टका ना होगा कम-२

वाह-वाह, वाह-वाह, वाह-वाह -२

श्रीमती निकिता राठी डागा

नारायणधाट

---

## बन्धी



श्रीमती अमिता पेडिवाल  
विराटनगर

पहली बार जब उदय सपना ने एक दुसरे को देखा, तो आँखों ही आँखों में  
प्यार हो गया और शादी के सपने संजोने लगे। तब उदय ने कैसी शादी के  
लिए मनाया अपनी मम्मी को वो बताती हूँ।

तर्ज़: राधिका गौरी से....

१. सपना गौरी से, दिल्ली की छोटी से, मम्मी करा दे मेरो व्याह-२  
उदय की बात सुणकर भाभीजी तो एकदम हीं चौक गया। वे उदय को  
समझाते हुए कहती हैं देखो बेटा-
२. उमर थारी छोटी है, नजर थारी खोटी है, कैया करादुँ थारो व्याह-२  
भाभी की बात सुनकर उदय शाँक हो गया उसे उम्मीद नहीं थी कि मम्मी  
यूँ मेरी उमर छोटी बता कर मना कर देगी। उदय ने थोड़ा धमकाते  
हुए कहा...

३. जो नहीं व्याह करावै, मैं दुकानां नहीं जाऊँ-  
आज के बाद म्हारी मम्मी, थोर दरवाजे नहीं आऊँ-२  
आवलोऽरे मजो रे मजो, तन मनावण से.....।

सपना गौरी..... मम्मी करा दे मेरो व्याह।

भाभीजी को आया थोड़ा गुस्सा-उन्होने उदय की तरफ देखते हुए कहा  
तुम मुझे धमकी दे रहे हो अब तो जाओ मैं तेरा व्याह नहीं करवाती  
उदय ने सोचा अरे ये क्या, यहाँ तो बात ही बिगड़ रही है। तब उसने मम्मी  
को सोफा मे बैठाकर धीरे से कहा-

डनलप के गद्दे पर मम्मी थान बैठाऊँ-२  
अपनी सपना से मैं पाँव तेरे दबबाऊँ-२  
भोजन रोज़SSS बनावगी, बनावगी, थारी पसंद को।

सपना गौरी.....

पाँव दबबाने की बात नया नया आइटम री बात सुनकर भाभीजी  
के चेहरे पर थोड़ी खुशी नजर आई तब उदय ने सोचा अभी थोड़ा  
मक्खन और लगाना पड़ेगा उदय बोला-

५. छोटी सी दुल्हनीयाँ जब अगँना में डोलेगी-२  
थारे सामने मम्मी वो साड़ी भी पहनेगी-२  
पापा नSSS जा कहो जा कहो व्याह करावण से-२

सपना गौरी.....

उदय की इती बात सुनर भाभीजी क मन भी ल्यावण  
रो चाव जागे। वे भी मन ही मन ख्याली पूलाव बनाने लग गये।  
सुण बाते उदय की मम्मी बैठी मुस्काव। २  
लेके बलैया मम्मी, राई लुण ऊवार। २  
नजर कहीं SS लग जाये ना लग जाये ना, म्हार ही। लाल न।  
सपना गोरी से, दिल्ली की छोरी से, बेटा करादूँ तेरो व्याह।

## वीरा

तर्ज-म्हारे हिवड़ा में नाचे मोर



श्रीमती चारु गगरानी राठी  
इनरवा

छाई मनडे में रमझोल, आये मेरे भैया  
लाये खुशियों की सौगात, आये मेरे भैया  
छाई मनडे में रमझोल, आये मेरे भैया  
लाये खुशियों की सौगात, आये मेरे भैया  
भैया आये, मायरा लाये, और लाये चुन्दरिया  
छाई मनडे में रमझोल, आये मेरे भैया  
मेरे भैया दूर से आये हैं, भाभी को संग लाये हैं -२  
ममता से आँचल सजने लगा, खुशियों से दामन भरने लगा  
बहना आये, भैया बधाये, खिल उठी मन की कलियाँ  
छाई मनडे में रमझोल, आये मेरे भैया  
लाये खुशियों की सौगात, आये मेरे भैया  
मैं कूँ कूँ चावल लायी हूँ, भैया के तिलक लगाई हूँ -२  
मिसरी की शरबत लायी हूँ भैया को आज पिलाई हूँ  
भैया आये, गीत गवाए, रस्मे सारी निभाये  
छाई मनडे में रमझोल, आये मेरे भैया  
लाये खुशियों की सौगात, आये मेरे भैया

## बन्ना बन्नी

तर्जः मुझे नींद न आए...



श्रीमती सुधा तोषनीवाल  
विरामोद

दूल्हा को बुलावो ओ....

दुल्हा को बुलावो, दुल्हन को बुलावो, दोनोंको पास विठाओ,  
यह जोड़ी कैसी लगती है, बहुत सुन्दर लगती है..... २

दादाजी-दादीजी निरख रहे, निरख रहे और हरक रहे..... २

दादीजीको बुलावो.....

दादीजीको बुलावो, बधाई बटवाओ और मंगला चार गुवावो  
यह जोड़ी कैसी लगती है, बहुत सुन्दर लगती है... २

बाबोजी-बडियाजी निरख रहे, निरख रहे और हरक रहे.... २

बडियाजी को बुलावो.... २

बडियाजी को बुलावो, मिठाई बटवाओ और मंगला चार गुवावो  
यह जोड़ी कैसी लगती है, बहुत सुन्दर लगती है।

काकाजी-काकीजी निरख रहे, निरख रहे और हरक रहे

काकीजी बुलावो.....

काकीजीको बुलावो, नास्ता करवाओ और मंगला चार गुवावो  
यह जोड़ी कैसी लगती है, बहुत सुन्दर लगती है।

(इस तरह फुफाजी-भुवाजी, मामा-मार्मी का भी नाम ले सकते हैं) सुनीये

## त्यंग्य

तर्जः जय गणेश, जय गणेश देव



राठी जी हम आज कुछ कहेरों  
खोलगें हम सारे राज, चुप ना रहेगें

श्रीमती अमिता पेडिवाल  
विराटनगर

सुशील कुमार जी ऊषा भाभी सबसे मीठा बोलते  
परिवार को जोड़ने की हरदम कोशिश करते  
पोते-पोती लाडेसर, उनमें है इनकी जान  
पूरे राजस्थान में इनकी है बड़ी शान ।

कम बोलना ज्यादा सुनना कहता है हनुमान  
झरना उसकी बातों को पूरा है देती मान  
सारा दिन दोनों जन ओफीस में बिताते,  
रात को प्यारी सी बिटिया को खिलाते ।

सुनील जी है विजनेस के मास्टर  
बीबी ममता देवी है मोबाइल की मास्टर  
वाट्सप फेसबुक से नाता जोड़ रखा है,  
अपने परायों को एक डोर में बाँध रखा है ।



प्रमोद जी प्रीया जी के किस्से सुहाने

दोनों एक दुसरे के प्रेम के दिवाने,  
अरे हम तो मस्तगोला, कोई कुछ भी बाले  
दिन रात मौज करो, खाओ पुड़ी छोले ।

मेनेजमेन्ट अच्छा करे प्रदीप कुमार जी,

सपिङ्ग की रसिया है माया देवी जी  
विराटनगर की एक एक दूकान छान ली है  
बारगेनिंग की मास्टर है बात मान ली है ।

राजु जी हमारे है बिल्कुल भोले-भोले

संतोष देवी के है, प्रेम के दीवाने  
बीबी के चक्कर मे सादा खाना खाते है ।  
अपनी फिटनेस का राज यही बताते है ।



## मायरा

तर्ज - जारे हट नटखट



श्रीमती सरोज राठी  
इनरवा

देखो शंख करे अर्चन, मुदंग करे वंदन  
ये भाँझरें भक्तार भभनायी हैं  
आज मायरे की -२ शुभ घड़ी आई है-२  
उठा देवलोक में ज्वार किया स्वर्ग में श्रृंगार  
चाँदनी रस की धार से नहाई है  
आज मायरे की -२ शुभ घड़ी आई है-२  
हो-----

धरती है लाल आज, अम्बर है लाल-२  
सिन्दूरी रंग सजा सरज के भाल-२  
कुदरत ने पंख पसारे हजार  
लहराए लहर लहर फूलों की माल  
बहना की रूप छटा  
अंधियारा दूर हटा, बीरे घर हरख बधाई है  
आज मायरे की -२ शुभ घड़ी आई है-२  
कंचन की बेलरी, चन्दन की डार  
हाथों में लेकर के मोतियन की थाल  
बाई के आँगन में छाई बहार  
बिखराए उत्सव में खुशियाँ हजार  
पवन बहे धीरे धीरे, छनन छनन हौले हौले  
दामिनी भी शर्म से लजाई है  
आज मायरे की -२ शुभ घड़ी आई है-२  
देखो-----  
आज मायरे की -२ शुभ घड़ी आई है-२

## भजन-वराह अवतार

तर्जः मिलो न तुम तो हम घबराय



श्रीमती सम्पत देवी सारडा  
विराटनगर

प्रलय के जल मे धरती डूबी,  
मनु गए बत्सालोक, बोले हम क्या करे..... २  
प्रलय के जल मे धरती डूबी,  
मनु गए बत्सालोक, बोले हम क्या करे..... २

मनु ने पुछा ब्रता से, आज्ञा दो पिताजी मुझे आप ये  
क्या करूँ कर्म जिससे, जन्मदाता आप हमे तार दें  
ऐसा ज्ञान हमे दो दाता, हो जाए बलिहारी  
हमे आप राह दिखा दे- २

प्रलय के जल .....

ब्रता जी बोले मनु से, पुत्र तुम्हारा कल्याण हो  
धर्मपूर्वक पृथ्वी पालन, है ये वडा सुन्दर काम रे  
यज्ञों द्वारा हरि की सेवा, प्रज्ञापालन करना  
यही तुम्हे तार देगा-२

प्रलय के जल .....

## गणगौर

तर्ज- सोन चिरइया एक दिन उड जाएगी

सोलह दिनोंके लिए गौरा माता आएगी  
एक वर्ष के लिए फिर चली जाएगी  
चली जाएगी ये-२  
ईशर जी के देश फिर ना आएगी ॥



श्रीमती पूनम गृहानी  
शनिश्चरे

छोटी सी गौरा, हो गई इतनी बड़ी  
आ जाएगी जब विदा होने की घड़ी  
ओ सखियों तुम-२  
खड़ी खड़ी द्वार देखती रह जाओगी  
चली जाएगी ये.....॥

गौरा माँ को मिलके सब ने सजाया है  
और ज्वारा मिलके सब ने बाया है  
सखियों को छोड़ अकेली-२  
अब ईशर जी के साथ मे चली जाएगी  
चली जाएगी ये.....॥

दब सब सखियाँ मिलकर तोड़ लाई है  
और गौरा माँ को चढाई है  
सब सखियों को-२  
गौरा माँ के हाथों मे मेहदी लगानी है  
चली जाएगी ये.....॥

रसम क्युँ गौरा के विदा होने की बनी  
रहती है सोलह दिन बस फिर है चली  
ये सच है कि-२  
गौरा ईशर के साथ इक दिन जाएगी  
चली जाएगी ये.....॥

मनु ने कहा ब्रह्मा से, पृथ्वी डूबी है प्रलय जाल में, प्रलय जाल में

कैसे हो उद्धार पृथ्वी का, ये भी बतायें हम जान ले

ब्रह्मा के नाक से, वराह शिशु निकला, हुआ तुरन्त पर्वताकारी

हरि लीला ये निराली-२

प्रलय के जल.....

ब्रह्माजी ने स्तुति कीनि, भगवन के बराहअवतार की

प्रसन्न हुए भगवन और, जल में किया था प्रवेश रे

दाढ़ों पर लिया पृथ्वी को, निकले बराह अवतारी

हिरण्याक्ष को मार गिराया २

प्रलय के जल से धरती निकली

बराह भगवान ने तारी, करे हम उनकी जय-२

---

## घोड़ी

तर्जः एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा  
(फिल्म: १९४२ लव स्टोरी)



हो ५५५  
हरियाले बन्ने भी घोड़ी ऐसी आई-२  
आई राठीयों के द्वार  
छाई चमन में बहार  
डोले मन की फुहार  
बोले बीणा का तार  
बाजे गीत मल्हार, गूंजे मंगलाचार  
इसले नखरों को देख, बन्ना हुआ असवार ५५५  
हो ५..... हरियाले..... आई  
हो जैसे सोल्ह श्रृंगार  
नख सिख रतनार  
जीन जडाऊ कनार  
भालर मोतियन हार  
पग पैजनी बहार  
धुंधरु सोहे हजार  
इसकी रिमझिम को सुन बन्ना हुआ असवार ५५५  
हो हरियाले..... आई  
हो ५५५ हरियाले बन्ने की घाड़ी ऐसी सोही  
जैसे बादामी रंग  
छवि इन्द्र की तरंग  
छाई शोभा अनूप  
चंचल चन्द्रमा का रूप  
छमछम मतवाली चाल  
वारुं मोतियन थाल  
ऐसी घोड़ी पे बैठ बन्ना चला ससुराल ५५५  
हो ५५५..... हरियाले ..... आई..... २

## भजन-कच्छप अवतार

तर्ज़: दुश्मन ना करे दोस्त ने जो....



श्रीमती गिरिजा सारडा  
विराटनगर

जिसने भी मेरे भगवन का नाम लिया है  
बिन बोले उसका आपने हर काम किया है ॥टेर॥

लेकर फरियाद हरि दर पे, जो आ गया  
हरि दर पे जो आया  
देव हो या-२ दानव का उद्धार किया है  
श्रद्धा से जिसने आपको पुकार लिया है ।  
जिसने भी मेरे.....

देवों और दानवों का युद्ध आपने टाला, युद्ध आपने टाला  
दानव राज - दानव राज बलि ने भी साथ दिया था  
वासुकी और मन्दराचल से मन्थन किया था २

कच्छपरूप घर के मन्दराचल लियो उठाय, मन्दराचल लियो उठाय  
सहस्रबाहु, सहस्रबाहु हुए और मन्थन दियो कराय  
हलाहल पी के शिव भी नीलकण्ठ कहलाए

कामधेनु कल्पवृक्ष ऐरावत भी दिए, ऐरावत भी दिए  
देवों को भी तो, देवों को भी ता अमृत कलष आप ने दिया  
लीला आप की ही से अमरत्व है मिला

ऐसा है ये आपका कच्छप अवतार, कच्छप अवतार  
देवता हो, देवता हो या हो दानव राज की कथा  
सब को मिले सदा आप को कृपा ।



श्रीमती राधा अटल,  
ईनरवा

सगोसा लाडली (नाम) न सौपा हाँ थे सोरी राखीजो सोरी राखीजो सबाई  
राखीजो .....

- १) म्हारी बाई न थार, परिवार मे सौपा हाँ म्हारी नेन दुलारी  
बेटी ना थे सोरी राखीजो ।  
सगोसा लाडली.....
- २) दादासा री प्यारी मोती, दादी र मन भावनी हाँ, काका सा री नयन  
दुलारी न थे सोरी राखीजो ।  
सगोसा लाडली.....
- ३) बापू सा री प्यारी बेटी, मायर न मन भावनी हाँ मामा जी री कौर ना  
थे सोरी राखीजो ।  
सगोसा लाडली.....
- ४) भाया रो हिवडो हारो, बहनारो घनो प्यार भाभी केव म्हारी ननन्द न  
थे सोरी राखीजो  
सगोसा लाडली.....
- ५) भुवासा री प्यारी भतीजी, मासी री मन भावनी हाँ, सहेल्यारी सरवी न  
थे सोरी राखीजो ।  
सगोसा लाडली.....
- ६) भाया री लाडेसर बहना, सासरिया म सराईज्यो तु सासरिया म सासु  
न सबाई राखीजो ।  
सगोसा लाडली.....

## पीलो

तर्ज- मैने पायल है छनकाई  
(फालुनी पाठक)



कोई गोटो किरण लगाओ, कोई तारा जाल बिछाओ... हो-२

कोई SSSSS

हो कोई लाल कसूबी रंगादे }  
पीलो केसरियो मंगवादे } २

श्रीमती सरिता सारडा  
काठमाण्डौ

म्हाने ओढण री आवे रली, हो जी हो, कोई सुणो ये म्हारी अरजी

आम मुंबई रा भावे, काफी चेन्नई री भावे

दिल्ली री चाट भावे, नणदिया हो SSSSS

पिज्जा डोमिनोज रा भावे, ये पुचका मन ललचावे

कलकत्ता री पावभाजी, हो सजना हो SSSS

म्हाने SS सगला टेस्ट सतावे, म्हारी जीभ सूँ रहयो न जावे-२

म्हाने खावणरी आवे रली-२

पोत जयपुर सूँ लाओ, रंगरेजा सूँ रंगवाओ

“सिमाया” सूँ बणवाओ, सासू माँ हो SSSSS

हीरा सूरत सूँ लाओ, म्हारे चुडला घडवावो

पायल री झणकारा सूँ आँऊ महलां हा SSSS

म्हाने SSS ब्राण्डेड शौक सतावे, म्हारो जी हिचकोला खावे

म्हाने ओढण री आवे रली-२

गोदी मे घनेड लाऊँ, मनडे री आस पुराऊँ

पितरा ने शीश नवाऊँ, जाऊँ चरणां.... हो SSSS

सासूजी र पग लागूँ, ससुरजी आशीश माँगू

ननद जेठाणी संग मनाऊँ खुशियाँ हो SSSSS

म्हारो SSSSS साजन बिल्खयो डोले, मन ही मन मुळ्कावे होले

म्हाने ओढण री आवे रली-२